सुलझने के बजाय उलझती है प्रॉब्लम...

प्रॉब्लम आने पर एक बात अवश्य ध्यान रखनी चाहिए। वो ये कि हमें अपनी प्रॉब्लम्स किसी को नहीं बतानी चाहिये, ये बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि किसी और को प्रॉब्लम बताने पर सिर्फ हम निगेटिव नहीं सोच रहे होते हैं, बल्कि हमारे साथ 5 लोग और भी निगेटिव सोचने लग जाते हैं। मान लीजिए अभी तो हम सोल्युशन पर फोकस कर रहे हैं, लेकिन अगर हम फोकस नहीं कर रहे होते हैं तो 500 मन एक विचार क्रियेट कर देते हैं... 'हाँ आपका बच्चा आपसे ठीक से बात नहीं करता!' तो इनको क्या एनर्जी मिल रही है? सोल्युशन क्या निकला? आपका कल ठीक हो जाएगा, लेकिन उन्होंने अपनी थॉट चेन्ज नहीं की। दो लोगों का टकराव बहुत आसानी से ठीक हो जाता है, लेकिन किसी तीसरे को पता न हो तो। लेकिन अगर किसी तीसरे को, चौथे को.... सबको पता हो तो। ये दोनों पॉज़ीटिव एनर्जी क्रियेट करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आसपास के 5-6 लोग इतनी ज़्यादा निगेटिव एनर्जी क्रियेट कर रहे होते हैं कि प्रॉब्लम्स को ठीक करने में मेहनत बहुत ज़्यादा लग जाती है। अगर किसी से बात करनी है तो सिर्फ वो ही बात करनी है कि सोल्युशन क्या है, लेकिन अपनी प्रॉब्लम्स अपने तक रखकर ही ठीक कर लो।

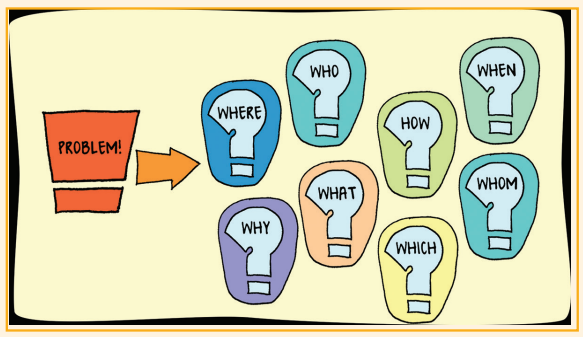

कोई और हमारी प्रॉब्लम ठीक नहीं कर सकता है। कई लोगों को आदत पड़ गई है दूसरों को बताने की कि मेरी बहू ने मेरे साथ ऐसा किया....। क्यों बताना किसी और को, वो क्या करेंगे? लेकिन आपने जो बात बताई वो ही निगेटिव है, तो थॉट कहाँ से पॉज़ीटिव होंगे! वो ऐड करेंगे ये अलग बात है, अगर कुछ ऐड नहीं भी किया तो भी जो सुना, उससे जो ज़रा सा भी थॉट चला, तो ये भी निगेटिव थॉट है ना! इससे हमें भी कौन-सी एनर्जी मिली और उन फैमिली मेम्बर्स को भी कौन-सी एनर्जी मिली? तो हमें इस बात को अपने तक ही रखना है। इसका सोल्युशन हमारे पास ही है। अगर सामने वाला सोल्युशन हमको दे भी दे, तो भी अमल में लाने का काम किसको करना है? आपको ही करना है ना! तो खुद ही कर लेते अपने आप ही। अगर आपकी प्रॉब्लम थोड़ी है, लेकिन अगर मुझे पता चला, तो मैं उससे कई गुणा निगेटिव क्रियेट कर सकती हूँ। इस डर में भी नहीं रहना है कि नज़र लग जाएगी। कैसे नज़र लगेगी किसी की! नज़र तभी लगेगी जब मेरी खुद की स्थिति ठीक नहीं होगी। इसका मतलब अगर आपने मेरे लिए एक निगेटिव थॉट क्रियेट किया और मैं ऑलरेडी बहुत निगेटिव हूँ, तो आपके निगेटिव को अब्ज़ॉर्व कर लूंगी। लेकिन अगर मेरी थॉट ठीक है तो चाहे सारी दुनिया निगेटिव क्रियेट कर ले, आपके ऊपर कोई असर नहीं होगा। नज़र लग जाएगी माना क्या मैं आपके थॉट अब्ज़ॉर्व कर लूंगी? अगर मैं अपने लिए ये थॉट क्रियेट कर लेती हूँ कि किसी की कोई थॉट मुझ पर असर नहीं कर करती, तो नहीं करेगी। इट्स अ चॉइस। अब अगर आपको कोई कहे ना कि नज़र लग जाएगी तो उसको प्यार से कहो, 5-10 लोग अगर मेरे लिए निगेटिव सोच भी रहे हैं तो 100 लोग ऐसे हैं जो मुझे दुआयें देते हैं। आप जिनकी तरफ फोकस करेंगे उनकी एनर्जी के साथ आपकी एनर्जी कनेक्ट हो जाएगी। तो आप उनके साथ फोकस करें जो आपको दुआयें भेज रहे हैं। अगर फिर भी कुछ कहें तो कहो कि मेरे ऊपर परमात्मा की नज़र लगी हुई है, तो किसी और की नज़र लगने का सवाल ही नहीं है। माई थॉट, माई कर्मा, माई डेस्टिनी। बाकी पूरी दुनिया कुछ भी सोचे हमारे लिए, लेकिन किसी की नज़र हमें लग नहीं सकती है।

पेड़ पौधों में भी होती है जान...!

- ब्र.कु. प्रतिमा,शांतिवन।

सर्वप्रथम् हमें ये समझना चाहिए कि क्या पेड़ पौधों में आत्मा होती है? या केवल मनुष्य व पशु-पक्षियों में होती है? क्या लगता है आपको? पेड़-पौधों में आत्मा होती है या नहीं? तो ज़रा सोचिए, अगर पेड़ पौधों में आत्मा नहीं होती है, तो पेड़ पौधे ग्रो कैसे करते हैं।

तो अब आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि पेड़ पौधों में अलग से कोई आत्मा प्रवेश नहीं करती है जिस तरह प्राणियों में प्रवेश करती है। उनमें जड़ तत्वों के विशेष गुण होते हैं जो चेतन जैसे प्रतीत होते हैं।

इनमें मस्तिष्क नहीं होता इसलिये वे सोच नहीं सकते, लेकिन उनमें तंत्रिका तंत्र होता है, जो उन्हें प्रतिक्रिया देने में सहायता करता है। जैसे छुईमुई का पौधा, सूरजमुखी आदि।

पूरे ब्रह्माण्ड में दो चीज़ है... एक होता है जीव और दूसरी होती है आत्मा। जीव अर्थात् मैटर। कई बार मैटर भी ऐसी हरकतें दिखाता है, जिससे ये लगे कि उसके अंदर चेतना या जान है, लेकिन वो चेतना नहीं होती। जैसे कोई भी पौधे के अंदर ब्रेन नहीं होता है और न वो सुख और दु:ख या दर्द को महसूस कर सकते हैं। पेड़ पौधों के अंदर सोचने समझने की शक्ति भी नहीं होती है।

एनिमल्स के अंदर नर्वस सिस्टम होता है। वे सुख-दु:ख को महसूस कर सकते हैं, प्लांट्स नहीं कर सकते। कोई भी बायोलॉजिकल रिसर्च ये नहीं बता रहा है कि प्लांट्स के अन्दर नर्वस सिस्टम होते हैं। जब नर्वस सिस्टम ही नहीं, तो प्लांट्स फील ही नहीं कर सकते सुख

और दु:ख, इसलिए पेड़ को हम काट रहे हैं तो उसकी हम हत्या कर रहे हैं या हिंसा कर रहे हैं ऐसा नहीं है।

उनकी वृद्धि कैसे होती है?

पेड़-पौधो में भिन्न-भिन्न प्रकार होते हैं और उनके अपने बीज होते हैं, जिनके आधार पर वे अनुकूल वातावरण में अंकुरित होते हैं, फलते-फूलते हैं और अपने गुण-धर्म के अनुरूप पंच तत्वों अर्थात् मिट्टी, पानी, हवा, अग्नि, आकाश से अणु-परमाणु आकर्षित करके अपनी वृद्धि करते हैं और आगे के लिये नये बीजों का सृजन करते हैं। इनमें कोशिकाएँ होती हैं और इनका एक मैगनेटिक फील्ड होता है जो उसके आकार, प्रकार और स्वरूप पर निर्भर करता, परन्तु उसमें सोचने समझने, स्थानांतरित होने आदि की अपनी शक्ति नहीं होती है जैसे चेतन आत्मा की होती है।

पेड़-पौधे एक लिविंग मैटर हैं जो फीज़ियो कैमिकल रिएक्शन के तहत बढ़ते हैं। पेड़-पौधे प्रकृति की रचना है, प्रकृति मनुष्य के वायब्रेशन्स को ग्रहण करती है। पेड़ पौधों का कनेक्शन प्रकृति के 5 तत्वों से है। बीज को जब हम धरती में बोते हैं, खाद पानी डालते है, उससे ही पेड़ पौधों की उत्पत्ति और वृद्धि होती हैं। सूर्य से ऊर्जा प्राप्त होती है, जिससे पेड़ पौधों का विकास होता हैं। ऐसा नहीं है कि उनमें मनुष्य की तरह आत्मा होती है इस कारण वो वृद्धि को पाते हैं। पेड़ पौधों में जो ऊर्जा है वो उन्हें बीज से प्राप्त होती है। जब तक पेड़ पौधे अपने बीज से जुड़े हैं, उन्हें जल मिलता है। सूर्य से

- शेष पेज 11 पर...

राँची-झारखण्ड। राज्यपाल महोदया द्रौपदी मुरमू को माउण्ट आबू में होने वाले इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स में आमंत्रित करने के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. पाण्ड्यामणि, ब्र.कु. शेफाली, ब्र.कु. लीना,ओडिशा व अन्य।

दिल्ली-हरिनगर। ज्ञानचर्चा के पश्चात् मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जवाड़ेकर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शुक्ला दीदी। साथ हैं ब्र.कु.नेहा व ब्र.कु. चौधरी भाई।

कोटद्वार-उत्तराखण्ड। 'संगीतमय आध्यात्मिक श्रीमद् भागवत कथा' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए प्रदेश के वनमंत्री हरक सिंह रावत, पूर्व भाजपा अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष रश्मि राणा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शशि नैनवाल, सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु.ज्योति, ब्र.कु. मधु तथा अन्य।

चुनार-उ.प्र.। 'शपथ ग्रहण समारोह में एस.डी.एम.डॉ.अविनाश त्रिपाठी, नवनिर्वाचित चेयरमैन मनसूर अहमद, पूर्व चेयरमैन हसीना बेगम, ब्र.कु. कुसुम, ब्र.कु.तारा, कांग्रेस के पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी व अन्य।

दिल्ली-जनकपुरी। योग कनफिडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ब्र.कु. प्रीति,फरीदाबाद व ब्र.कु. उमा,इंदौर को 'वुमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड देकर सम्मानित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृष्णा राज तथा अन्य।

आस्का-ओडिशा। आध्यात्मिक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए गायिका तिलोत्मा ओझा, ब्र.कु. प्रवाती, ए.युधिष्ठिर डोरा, टी. वी. भास्कार राव, मानव सेवा समिति अध्यक्ष गणेश्वर राठ तथा अन्य।